भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 504

उत्तर देने की तारीख: गुरुवार, 04 दिसंबर, 2025

13 अग्रहायण,1947 (शक)

ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

504. **श्री शुभाशीष खुंटिया**:

श्री देबाशीष सामंतराय:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ओड़िशा की सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें मंदिर, नृत्य और कला रुप शामिल हैं, के संरक्षण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) केंद्रीय योजनाओं के अंतर्गत राज्य में कितने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं;

(ग) राज्य के हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाओं के संवर्धन के लिए कितनी धनराशि आवंटित और उपयोग की गई है;

(घ) स्थानीय कलाकारों और कला प्रदर्शन कर्ताओं को क्या सहायता प्रदान की गई है; और

(ड.) क्या राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए कोई नई पहल की गई है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): ओडिशा राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत मंदिरों सहित 82 केंद्रीय संरक्षित स्मारक/स्थल हैं। इन केंद्रीय संरक्षित स्मारकों/स्थलों का संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण किया जाना एक सतत् प्रक्रिया है एवं यह आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है। ये सभी स्मारक भली-भांति परिरक्षित हैं।

भुवनेश्वर अवस्थित ललित कला अकादमी का क्षेत्रीय केंद्र, प्रदर्शनी, शिविरों, कार्यशालाओं आदि के माध्यम से ओडिशा सहित अपने क्षेत्र में दृश्य-कला के विकास और संवर्धन के लिए कार्य करता है जिसमें ओडिशा के कलाकार भाग लेते हैं।

भारत सरकार ने ओडिशा राज्य सहित अपने सदस्य राज्यों की लोक-कला को बढ़ावा देने के लिए कोलकाता में पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) की स्थापना की है। पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र अपने सदस्य राज्यों में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करता है जिसके लिए उन्हें वार्षिक अनुदान सहायता प्रदान की जाती है।

(ख): ललित कला अकादमी, क्षेत्रीय केंद्र, भुवनेश्वर ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया है:-

1.प्रर्दशनी परिक्रमा (16 अप्रैल से 4 मई, 2025) जिसमें ओडिया अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया।

2. जय हिंद कार्यक्रम के तहत बाल चित्रकला कार्यशाला (21 मई, 2025)

3. विश्व पर्यावरण दिवस पर कलाकार शिविर (30 मई से 3 जून, 2025)

4. विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदर्शनी-05 जून, 2025

5. स्थापना दिवस पर जल रंग कार्यशाला-05 अगस्त, 2025

6. हर घर तिरंगा पर जल रंग कार्यशाला-13 अगस्त, 2025

7. हर घर तिरंगा पर बाल चित्रकला कार्यशाला-14 अगस्त, 2025

8. सेवा पर्व के तहत पुरी, खालिकोट और भुवनेश्वर में छात्रों के लिए चित्रकला कार्यशाला (सेवा पर्व के तहत

21वीं पेशेवर कलाकार कार्यशाला-(28 सितंबर, 2025)

9. सेवा पर्व के तहत कलाकारों की कार्यशाला-28 सितंबर, 2025

10. सेवा पर्व के तहत बाल चित्रकला कार्यशाला (30 सितंबर, 2025)

पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, ओडिशा में लोक मेला, राष्ट्रीय जनजातीय/लोक नृत्य और संगीत महोत्सव, चिल्का शेल्डक लोक कार्निवल, अखिल भारतीय बहुभाषी नाटक और नृत्य महोत्सव आदि जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन करता है। पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा लुप्तप्राय लोक कला रूपों को बढ़ावा देने के फिलिग्री, पटचित्र, मयूरभंज छऊ और सौरा चित्रकारी जैसी कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता है।

(ग): विगत तीन वर्षों के दौरान पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता को जारी अनुदान सहायता का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

वर्ष	**जारी की गई राशि (लाख रूपये में)**
2022-23	755.81
2023-24	897.14
2024-25	1145.48

(घ): पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र और ललित कला अकादमी सांस्कृतिक कार्यक्रमों/गतिविधियों के लिए स्थानीय कलाकारों/प्रतिभागियों सहित लोक कलाकारों को शामिल करता है जिन्हें मानदेय, टीए/डीए, स्थानीय परिवहन, भोजन और आवास आदि का भुगतान किया जाता है ताकि वे अपनी आजीविका अर्जित कर सकें।

(ड.): भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के बारे में दुनिया को जागरूक करने के लिए, संस्कृति मंत्रालय, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने और विश्व में भारत की छवि को उत्कृष्ट बनाने के लिए "वैश्विक जुटाव योजना" नामक एक योजना कार्यान्वित करता है। इस योजना का उद्देश्य भारतीय कला रूपों का अभ्यास करने वाले कलाकारों को 'भारत महोत्सव' के बैनर तले विदेशों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करना है।

संस्कृति मंत्रालय ने विभिन्न कला रूपों के तहत अनेक कलाकारों/समूहों का पैनल तैयार किया है और इन कलाकारों को विदेशों में भारत के त्योहारों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए इस पैनल से चयन किया जाता है। वर्तमान में, 627 कलाकार/समूहों को मंत्रालय के पैनल में रखा गया है। इनमें से 49 कलाकार/समूह ओडिशा से हैं। अब तक ओडिशा के 7 कलाकारों/समूहों ने विदेशों में भारत के त्योहारों/स्वतंत्रता-70 कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

*****